मुझसे अधम अधीन,
उबारे न जाएँगे,
प्रभु आप दीनबंधु,
पुकारे ना जाएँगे,
मुझसें अधम अधीन,
उबारे न जाएँगे।।

खामोश हूँगा मैं भी,
अगर आप ये कह दो,
अब मुझसे कभी,
पातकी तारे न जाएँगे,
प्रभु आप दीनबंधु,
पुकारे न जाएँगे,
मुझसें अधम अधीन,
उबारे न जाएँगे।।

जो बिक चुके हैं और,
खरीदा है आपने,
अब वह गुलाम ग़ैर के,
द्वारे न जाएँगे,
प्रभु आप दीनबंधु,
पुकारे ना जाएँगे,
मुझसें अधम अधीन,
उबारे न जाएँगे।।

पृथ्वी के भार आपने,
सौ बार उतारे,
क्या मेरे पाप भार,
उतारे न जाएँगे,
प्रभु आप दीनबंधु,
पुकारे ना जाएँगे,
मुझसें अधम अधीन,
उबारे न जाएँगे।।

तब तक न चरण आपके,
संतोष पाएँगे,
द्रिग 'बिन्दु' में जब तक ये,
पखारे न जाएँगे,
प्रभु आप दीनबंधु,
पुकारे ना जाएँगे,
मुझसें अधम अधीन,
उबारे न जाएँगे।।

मुझसे अधम अधीन,
उबारे न जाएँगे,
प्रभु आप दीनबंधु,
पुकारे ना जाएँगे,
मुझसें अधम अधीन,
उबारे न जाएँगे।।

स्वर प. पवन जी तिवारी।
प्रेषक शिवकुमार शर्मा
9926347650

Source: https://www.bharattemples.com/mujhse-adham-adhin-ubare-na-jayenge/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw